सहारा बन के आ जाओ अब तो महामाई

कैसा समय है ये दु:ख दाई बिछड़ रहे आपस में भाई,
खोज रही भाई को बेहना तरस रही बेटे को माई
सहारा बन के आ जाओ अब तो महामाई

ढूंड रही है देखो अखियाँ अपनों में अपनों को
कैसे करेगे पूरा अब देखे हुए उन सपनो को
कर न सके अपनों की विधाई जाने ये कैसी विपदा है आई
सहारा बन के आ जाओ अब तो महामाई

चारो तरफ है अन्धियारा और मायूसी है छाई
अब तो बचा लो दुनिया को तुझसे ही है आस लगाई
करनी होगी माँ अब सुनवाई
देर न कर अब हो जा सहाई
सहारा बन के आ जाओ अब तो महामाई

Source: https://www.bharattemples.com/sahara-ban-ke-aa-jao-ab-to-mahamai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw